प्रेस-विज्ञप्ति

सोशल डिस्टेंसिंग के साथ मनाया गया 60वां मुक्ति दिवस, शहीदों को अर्पित की गई श्रद्धांजलि

लोग उपलब्ध सुविधाओं का सही इस्तमाल करें, आत्म-निर्भर बनें और दीव को आईलैंड डेस्टिनेशन बनाने के लिए सहयोग दें : सलोनी राय

दीव 19 दिसम्बर, 2020 : दमण-दीव के 60वें मुक्ति दिवस के पावन अवसर पर दीव में शहीदों को श्रद्धांजलि दी गई और सादे समारोह में राष्ट्रीय ध्वज फहराया गया । इस दौरान जिला समाहर्ता श्रीमती सलोनी राय मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रही तथा दीव एस.पी. श्री हरेश्वर स्वामी, उप-समाहर्ता, जिला पंचायत के मुख्य कार्यकारी अधिकारी, दीव नगरपालिका के अध्यक्ष एवं जिला पंचायत के नव-निर्वाचित अध्यक्ष के साथ-साथ प्रशासन के आला अधिकारी और कार्यालय-प्रमुख उपस्थित रहे।

आज सबसे पहले मुक्ति दिवस के शहीदों को दीव समाहर्ता ने पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी जहां प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित रहे। इसके बाद पद्मभूषण क्रीड़ा संकुल में मुक्ति-दिवस कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान सबसे पहले समाहर्ता महोदया ने राष्ट्रीय ध्वज को फहराया और उसके बाद राष्ट्रगान गाया गया। राष्ट्रगान के पश्चात समाहर्ता श्रीमती सलोनी राय ने दीव के लोगों को संबोधित करते हुए उन्हें मुक्ति-दिवस की हार्दिक बधाई दी। उन्होंने बताया कि एक ओर जहां हम मुक्ति-दिवस का उत्सव मना रहे हैं, वहीं दूसरी ओर कोरोना जैसे वैश्विक महामारी की चुनौतियों से भी हम लड़ रहे हैं। संघ प्रदेश प्रशासन की सक्रियता एवं लोगों के सहयोग से इस पर नियंत्रण करने में सफलता मिली है । नवम्बर माह तक दीव में कोरोना के न के बराबर मामले रहने के कारण इस जिले ने कोरोना मुक्त जिले के रूप में अपनी पहचान बनाई । मगर अभी भी पूरी सावधानी बरतनी है और कोई लापरवाही न हो इसके लिए भारत सरकार के कोरोना सबंधी दिशा-निर्देशों का पालन करते हुए सतर्क रहना है एवं लोगों को जागरूक बनाना है ताकि वे नियमित तौर पर मास्क पहने, सेनिटाईजर का उपयोग करें तथा एक-दूसरे से दूरी बनाये रखें।

माननीया समाहर्ता ने बताया कि कोरोना काल ने जीवन की रफ्तार को जो कम किया था उसमें तेजी लाने के लिए केन्द्र सरकार की मदद से जिला प्रशासन हर संभव प्रयास कर रहा है। इस दिशा में दीव के लगभग 50 प्रतिशत वेंडरों को लोन सुविधा मुहैया करायी गई है। जिले में स्कूली एवं कॉलेज शिक्षा भी धीरे-धीरे पटरी पर आ रही है। कॉलेज, आई.टी.आई., पौलिटेक्निक एवं टी.टी.आई. में ऑफलाईन पढ़ाई शुरू हो गई है। इसी तरह 9वीं से 12वीं कक्षा तक की पढ़ाई ऑनलाईन चल रही है। घोघला के कमलेश्वर स्कूल भवन बनकर तैयार हो गया है, जबकि झांपा तथा पांजरापोल स्कूल भवनों का निर्माण कार्य भी आगामी शैक्षणिक वर्ष से पहले पूरा कर लिया जाएगा। इससे बच्चों को मूलभूत सुविधाओं से युक्त स्कूल भवन मिल सकेंगे। दीव प्रशासन द्वारा लॉकडाऊन के बाद लगभग 2300 गर्भवती और प्रसुता महिलाओं को पोषण आहार किट बांटे हैं, साथ ही लगभग 7700 बच्चों को मिड-डे

मिल किट वितरित किये गये हैं। उन्होंने बताया कि महामारी के मध्य भी दीव वैश्विक पटल पर अपनी छाप छोड़ने में सफल रहा है। घोघला बिच को डेनमार्क के फाउंडेशन ऑफ इन्वारमेंट एज्यूकेशन के द्वारा प्रदान की जाने वाली अंतर्राष्ट्रीय ब्लू-फ्लैग सर्टीफिकेशन से नवाजा गया है। ब्लू-फ्लैग विश्व का अत्यंत प्रतिष्ठित एवं मान्यता प्राप्त स्वैच्छिक इको-लेबल पुरस्कार है जो इस वर्ष भारत के सभी आठ नामित समुद्र-तटों को दिया गया है। दीव समाहर्ता ने दीव के अन्य बिचों को भी इसी तर्ज पर विकसित करने कि बात कि ताकि दीव के अन्य समुद्र-तट ब्लू-फ्लैग सर्टीफिकेशन से प्रमाणित हो और यह प्रदेश पर्यटन के लिहाज से उत्तम पर्यटक स्थल बन सके। दीव के शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों को स्वच्छ और सुंदर बनाने के लिए एकीकृत ठोस अपशिष्ट प्रबंधन प्रणाली को लगाने का कार्य भी जारी है, जो बहुत जल्द अपना कार्य करना शुरू कर देगी। इससे दीव ओ.डी.एफ. प्लस बनने की दिशा में अग्रसर होगा। जल-संचयन के लिए भी दीव के कई तालाबों को गहरा करने का काम किया गया है, ताकि गर्मी के दिनों में लोगों को जल-आपूर्ति की समस्या से बचाया जा सके।

अंत में माननीया समाहर्ता ने दीववासियों से अपील की कि वे प्रशासन द्वारा जो सुविधाएं दी जा रही है उसका सही तरीके से उपयोग करें, प्रशासन के साथ मिलकर आगे बढ़ें, आत्म-निर्भर बनें और दीव को सिर्फ भारत में ही नहीं, बल्कि विश्व के सर्वोत्तम आईलैंड डेस्टिनेशन के रूप में विकसित करने में सहभागी बनें। इसी तरह हम मुक्ति-संग्राम के शहीदों को सच्ची श्रद्धांजलि दे पायेंगे।